अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 21 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण एकादशी
विक्रम संवत-2082

PAGE NO, 07 BOTTOM

'रिमझिम गिरे सावन' पर रिद्धिमा में गूंजी घुंघरुओं की झंकार

रिद्धिमा सभागार में कथक प्रस्तुत करते कलाकार। स्रोत : संस्था

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को कथक के गुरुओं और विद्यार्थियों ने 'रिमझिम गिरे सावन' के नाम कथक नृत्य की शाम सजाई गई। इसमें सावन गीतों के साथ घुंघरुओं की झंकार, पैरों की थाप व कलाकारों की भाव भंगिमाओं ने समा बांध दिया और दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम का आरंभ कथक गुरु देबाज्योति नस्कर लिखित और रचित 'नाभा घोरे घनघटा' पर कथक के विद्यार्थी करुण्य, नायरा, अवियाना, गौर्वी, ईशान्वी, अवनी, आहाना, नित्या अग्रवाल, गौरिका, गुरनूर, नितारा, नित्या जैन, समीक्षा, अराध्या, सान्वी, वृंदा, मीरा, रिद्म आदि ने प्रस्तुति दी।

भाव-भंगिमाओं के साथ सुरों की जुगलबंदी ने बांधा समा

कथक विद्यार्थियों ने बादल घुमड़ बन आज काली घटा घन घोर गगन में, बिजुरी चमके बरसे मेघा... जैसे तमाम गीतों पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके बाद कथक गुरु देबाज्योति नस्कर ने विद्यार्थियों के उत्साह वर्धन के लिए गावत सब मल्हार गुंजन... पर प्रस्तुति दी। इसी तरह कथक गुरु रियाश्री चटर्जी और अंशु कुमार शर्मा ने भी प्रस्तुति दी।

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डॉ.एमएस बुटोला, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ.रीटा शर्मा मौजूद रहे। संवाद